

Commercial Engineers & Body Builders Co. Limited



AN ISO/TS 16949:2009 Company
CIN-L24231MP1979PLC049375

Regd. Office: 48, Vandana Vihar, Narmada Road, Gorakhpur, Jabalpur (M.P.) INDIA
Email Id – cs@cebbco.com, Website – www.cebbco.com, Tel- 07612661336

14.11.2020

To,

The Secretary,
Bombay Stock Exchange Limited,
25th Floor, P J Towers,
Dalal Street,
MUMBAI - 400 001
Fax No.022 2272 2061/022 2272
2041

The Secretary
National Stock Exchange of India Ltd
Exchange Plaza, 5th Floor, Plot No C/1 G
Block, Bandra Kurla Complex, Bandra
(East)
Mumbai 400051
Fax No. 022-2659 8237/38,
66418124/25/26

Sub:- Newspaper Publication of Financials for the Quarter / Half Year ended 30.09.2020

Ref :- Scrip Code 533272

NSE :- CEBBCO

Dear Sir / Madam,

We have published extract of the Un-Audited Standalone financials for the quarter / half year ended 30 September 2020 in Raj Express and Times of India Newspaper on 13.11.2020

Please find enclosed herewith a copy of the paper cutting of the same.

This for your intimation and record

For COMMERCIAL ENGINEERS AND BODY BUILDERS CO. LIMITED


Amit K Jain
Company Secretary



Factory (Unit I) : 21,22,33,34, Industrial Area Richhai, Jabalpur - 482010 M.P.,
Factory (Unit II) : NH12-A, Village Udaipura, Teh. Niwas, Distt. Mandla - 481661 M.P.,
Factory (Unit III) : Plot No. 690 to 693 & 751 to 756, Sector III, Industrial Area, Pithampur, Distt. Dhar,
Factory (Unit IV) : Industrial Area Richhai, Jabalpur - 482010 M.P.
Factory (Unit V) : Plot No. 742, Asangi Phase Area, Saraikela, Jharkhand - 932109
Factory (Unit VI) : Village Imlai, Near Deori Railway Station, P.O. Panagar, Jabalpur - 483220

एक्सप्रेस न्यूज

आईएफसीआई का शुद्ध घाटा 43 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली। ढांचगत क्षेत्र की परियोजनाओं के लिये दीर्घकालिक कर्ज देने वाले संस्थान आईएफसीआई लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 43.30 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ। इससे पहले कंपनी को पहली तिमाही में 301.32 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। कंपनी ने नियामकीय सूचना में कहा है कि एक साल पहले इसी अवधि में उसे 32.32 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। वहीं चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका घाटा वर्ष की पहली तिमाही के मुकाबले कम हुआ है। आईएफसीआई ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि चालू वित्त वर्ष की जुलाई से दिसंबर तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 859.10 करोड़ रुपए हो गई। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 709.51 करोड़ रुपए रही थी। आलोच्य अवधि में उसकी वित्त आय एक साल पहले के 519.54 करोड़ रुपए से बढ़कर 645.49 करोड़ रुपए हो गई।

यूनियन बैंक ने तीन नए उत्पाद किए लॉन्च

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपने स्थापना दिवस पर तीन नये उत्पाद लॉन्च किये हैं। बैंक ने कहा कि 11 नवंबर को 102वें स्थापना दिवस पर तीन विशेष उत्पाद उपलब्ध करवाये गये हैं जिसमें पूर्व अनुमोदित यूनियन डिजिटल परमलोन लोन, यूनियन डिजिटल डॉक्स और स्टेट थ्रू प्रोसेस शामिल हैं। यूनियन बैंक की स्थापना 1919 में हुई और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने इसके पहले विधान कार्यालय का उद्घाटन किया था। यूनियन बैंक ने आजादी से पहले और उसके बाद भारत के बैंकिंग परिवर्तन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश की आर्थिक वृद्धि में इसका योगदान अब भी महत्वपूर्ण है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने उद्योगों और निर्यात, कृषि, प्रसार, बुनियादी ढांचे और अन्य विशिष्ट व्यापार श्रेणियों जैसे सेक्टरों में ऋण बढ़ाया है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का ऑपरेशन अब पूरे भारत में 9500 से अधिक शाखाओं में फैला है, जिसके ग्राहकों की संख्या 12 करोड़ से अधिक है।

एनएचपीसी का शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की जलविद्युत कंपनी एनएचपीसी का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में 10.8 प्रतिशत घटकर 1300.40 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2019-20 की इसी तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 1457.68 करोड़ रुपए था। एनएचपीसी की कुल आय आलोच्य तिमाही में घटकर 3086.03 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले 2019-20 की इसी तिमाही में 3360.35 करोड़ रुपए थी।

ग्लैंड फार्मा के आईपीओ को 2.05 गुना अभिदान

हरद्वार। दवा कंपनी ग्लैंड फार्मा के आरंभिक सार्वजनिक निगम आईपीओ को 2.05 गुना अभिदान मिला है। कंपनी ने बताया कि निगम नौ नवंबर को खुला था, जो बंद हो चुका है। इस आईपीओ के जरिये कंपनी 6480 करोड़ रुपए जुटाने की उम्मीद कर रही है। आईपीओ के तहत कंपनी ने 1250 करोड़ रुपए तक के नये शेयर जारी किये हैं जबकि 34863635 शेयर बिक्री के लिये पेशकश की है। ग्लैंड फार्मा के आईपीओ का कीमत दायरा 1490 रुपए से 1500 रुपए प्रति शेयर था। कंपनी ने कुल 12959089 इक्विटी शेयर 1500 रुपए प्रति शेयर के भाव पर एंकर निवेशकों को जारी कर 1943.86 करोड़ रुपए जुटाये। कंपनी पूंजीगत व्यय और कार्यालय पूंजी आवश्यकताओं के लिए 1250 करोड़ रुपए के नए फंड का उपयोग करेगी। ग्लैंड फार्मा जटिल ड्रग्स उद्योगों का एक एकीकृत निर्माता है।

एरियल के नए लॉन्ड्री पॉड लॉन्च

मुंबई। डिजिटल ब्रांड एरियल नवाचार को गति दे रहा है। पीएडजी इंडिया पॉड नामक लॉन्ड्री उत्पाद की क्रांतिकारी शुरुआत करके लॉन्ड्री की श्रेणी के भीतर एक नया सेगमेंट तैयार करने में अप्रतूत की भूमिका निभा रहा है। ये पॉड एक बाजार में ही इस्तेमाल होने वाले टैबलेट की शक्ल में बंदे जाते हैं। दुनिया भर के कई देशों में लॉन्ड्री करने के सबसे सुविधाजनक तरीके के तौर पर लॉन्ड्री पॉड पहले से ही से लोकप्रिय हैं। एरियल के 3इन1 पॉड पहले से ही एक धुलाई-प्रक्रिया से लेस फैसल है, जिनमें गाढ़ा तरल डिजेंट भरा होता है। पीएडजी इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर तथा फ़ैब्रिक केयर के वाइस प्रेसीडेंट शरत वर्मा ने कहा, एरियल पॉड हमारा शैशुक स्तर का नवीनतम लॉन्ड्री नवाचार है। पीएडजी ने इन्हें वर्षों के शोध एवं विकास के बाद तैयार किया है।

पहली बार मंदी में अर्थव्यवस्था

दूसरी तिमाही में जीडीपी 8.6 प्रतिशत गिरने का अनुमान: आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक, आरबीआई के एक अधिकारी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में देश का सकल घरेलू उत्पाद, जीडीपी एक साल पहले की तुलना में 8.6 प्रतिशत घटने का अनुमान है।

मूडीज ने भारत की जीडीपी ग्रोथ के लिए अनुमान बढ़ाया अर्थव्यवस्था पटरी पर लौटने के संकेत



इस तरह लगातार दो तिमाहियों में जीडीपी घटने के साथ देश पहली बार मंदी में घिरा है। कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के असर से पहली तिमाही में 23.9 प्रतिशत का संकुचन हुआ था। दूसरी तिमाही के जीडीपी के सरकारी आंकड़े अभी नहीं आए हैं पर केंद्रीय बैंक के अनुसंधानकर्ताओं ने तात्कालिक पूर्वानुमान विधि का प्रयोग करते हुए अनुमान लगाया है कि सितंबर तिमाही में संकुचन 8.6 प्रतिशत तक रहा होगा। इन अनुसंधानकर्ताओं के विचार बुधवार को जारी आरबीआई के मासिक बुलेटिन में प्रकाशित हुए हैं। आरबीआई ने पहले ही अनुमान लगा रखा है कि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी में 9.5 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। आरबीआई के अनुसंधानकर्ता

पंकज कुमार द्वारा तैयार की गयी अध्ययन रपट में कहा गया है कि भारत तकनीकी रूप से 2020-21 की पहली छमाही में अपने इतिहास में पहली बार आर्थिक मंदी में चला गया है। इकोनॉमिक एक्टिविटी इंडेक्स यानी आर्थिक कामकाज का सूचकांक शीर्षक से लिखे गये लेख में कहा गया है कि लगातार दूसरी तिमाही में आर्थिक संकुचन होने का अनुमान है। हालांकि इसमें यह भी कहा गया है कि गतिविधियां धीरे-धीरे सामान्य होने के साथ संकुचन की दर कम हो रही है और स्थिति बेहतर होने की उम्मीद है।

खुदरा महंगाई में बढ़त अक्टूबर में बढ़कर 7.61 प्रतिशत पर पहुंची



नई दिल्ली। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति 7.61 प्रतिशत पर पहुंच गयी। यह रिजर्व बैंक के संतोषजनक दायरे से ऊपर है। सरकार द्वारा बहुसंख्यक को जारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक सीपीआई के आंकड़ों के अनुसार, इससे एक माह पहले सितंबर 2020 में खुदरा मुद्रास्फीति 7.27 प्रतिशत थी। वहीं एक साल पहले अक्टूबर 2019 में यह 4.62 प्रतिशत रही थी। सामान्य मुद्रास्फीति में वृद्धि मुख्य रूप से खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण हुई। आंकड़ों के अनुसार, उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक की वृद्धि सितंबर के 10.68 प्रतिशत से बढ़कर अक्टूबर में 11.07 प्रतिशत पर पहुंच गयी। रिजर्व बैंक मुख्य नीतिगत दरों पर निर्णय लेने के दौरान मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। सरकार ने रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत घटबढ़ के दायरे के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी दी है।

टीवी पाटर्स के आयात पर पांच फीसदी शुल्क

नई दिल्ली। घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात को हतोत्साहित करने के लिए सरकार ने टीवी कंपोनेंट्स पर पांच फीसदी टैरिफ लगा दिया है। यह चिप्स, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड एसेंबलीज और ग्लास बोर्ड्स जैसे टीवी कंपोनेंट्स पर लागू होगा। इससे पहले सरकार ने 10 सेक्टरों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए प्रोडक्शन लिंकड इनसेंटिव की घोषणा की थी। इनमें टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट भी शामिल हैं। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम ने एक अधिसूचना में कहा कि एलईडी और एलसीडी टेलीविजन पैनेल बनाने में काम आने वाले कंपोनेंट्स के आयात पर शुक्रवार से पांच फीसदी ड्यूटी लगेगी। मोदी सरकार घरेलू स्तर पर विनिर्माण में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए टैरिफ और इनसेंटिव दोनों का इस्तेमाल कर रही है।

औद्योगिक उत्पादन छह माह बाद पटरी पर

सितंबर महीने में 0.2 प्रतिशत वृद्धि

नई दिल्ली। औद्योगिक उत्पादन छह महीने के बाद सकारात्मक दायरे में पहुंच गया। खनन और बिजली उत्पादन क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से सितंबर महीने में औद्योगिक उत्पादन में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक आईआईपी के ताजा आंकड़े के अनुसार औद्योगिक उत्पादन में सितंबर महीने में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, सूचकांक में 77.63 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले विनिर्माण क्षेत्र में सितंबर महीने में 0.6 प्रतिशत की मामूली गिरावट रही। वहीं, खनन और बिजली क्षेत्र के उत्पादन में क्रमशः 1.4 प्रतिशत और 4.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आईआईपी के पिछले साल सितंबर के आंकड़े को यदि देखा जाये तो इसमें 4.6 प्रतिशत की गिरावट आयी थी। औद्योगिक उत्पादन में इस साल फरवरी में 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। उसके बाद कोविड-19 महामारी और उसकी रोकथाम के लिये लगाये गये लॉकडाउन के कारण मार्च में 18.7 प्रतिशत, अप्रैल में 57.3 प्रतिशत, मई में 33.4 प्रतिशत, जून में 16.6 प्रतिशत और जुलाई में 10.8 प्रतिशत की गिरावट इसमें आई। इस बीच, अगस्त के आईआईपी आंकड़ों को संशोधित किया गया है। इसके तहत इसमें 7.4 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि पिछले महीने जारी अस्थायी आंकड़ों में इसमें आठ प्रतिशत गिरावट आने का अनुमान व्यक्त किया गया था। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि लॉकडाउन से जुड़ी पाबंदियों में ढील के साथ आर्थिक गतिविधियों में अपेक्षाकृत सुधार हुआ है। इसके साथ आंकड़ा संग्रह की स्थिति भी बेहतर हुई है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद के महीनों के आईआईपी आंकड़ों की तुलना महामारी वाले महीनों से करना उपयुक्त नहीं है।

डेट म्यूचुअल फंड में फिर बढ़ा निवेशकों का भरोसा अक्टूबर में किया 1.1 लाख करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली। लगातार दो महीने की निकासी के बाद निवेशकों ने अक्टूबर में डेट म्यूचुअल फंड स्कीम्स पर फिर भरोसा दिखाया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया के अनुसार अक्टूबर में डेट म्यूचुअल फंड में 1.1 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है। इससे पहले अगस्त में 3907 करोड़ रुपए और सितंबर में 51962 करोड़ रुपए का आउटफ्लो रहा यानी इन दोनों महीनों में ही निवेशकों ने 55869 करोड़ रुपए डेट म्यूचुअल फंड स्कीम्स से निकाले थे।



इसकी सबसे बड़ी वजह लिक्विड फंड, मनी मार्केट और छोटी अर्वांधी की श्रेणी में निवेश बढ़ती रही। डेट म्यूचुअल फंड्स का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट सितंबर में 12.87 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर अक्टूबर में 13.28 लाख करोड़ रुपए हो गया है। डेट स्कीम में सबसे अधिक निवेश लिक्विड फंड्स श्रेणी में आया है। इनमें सबसे ज्यादा 19583 करोड़ रुपए का निवेश आया। उसके बाद मनी मार्केट में 15445 करोड़ रुपए और शॉर्ट टर्म ड्यूरेसन फंड्स में 15156 करोड़ रुपए का

निवेश आया। कॉरपोरेट बांड में 15 हजार करोड़ रुपए अल्ट्रा शॉर्ट टर्म ड्यूरेसन फंड्स में 13654 करोड़ रुपए और बैंकिंग और पीएसयू फंड्स में 5554 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आया है। अक्टूबर में गिल्ट फंड्स में निवेशकों की रुचि बढ़ी है। अक्टूबर में गिल्ट फंड्स की श्रेणी में 2521 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है। अगस्त में 1121 करोड़ रुपए सितंबर में 483 करोड़ रुपए निवेशकों ने निकाले थे।

बाजार समीक्षा गुड़ की थोक त्योहारी मांग लगभग पूर्ण

गुड़ की कीमतों में गिरावट के आसार

इंदौर। गुड़ में त्यौहार की थोक मांग लगभग पूरी हो गई है, जबकि चालू सीजन में कोल्हूओं की संख्या अधिक होने से मांग के मुकाबले गुड़ का उत्पादन ज्यादा हो रहा है। लिहाजा, कीमतों पर दबाव बढ़ता जा रहा है, जिससे भाव में मंदी के आसार जताए जा रहे हैं। थोक व्यापारियों के अनुसार पिछले साल गुड़ की कीमतें तेज रही थी, जिससे इस बार कोल्हूओं की संख्या ज्यादा है, तथा मंडियों के बजाए सीधे कोल्हूओं से व्यापार ज्यादा हो रहा है। इसलिए अभी कीमतों पर दबाव बना रहने का अनुमान है। इंदौर में इस समय गुड़ 3000-3300 रु क्विंटल पर बिक रहा है। दिल्ली में गुड़ चाकू और पेड़ी 50 रु क्विंटल घटकर चाकू और गुड़ पेड़ी 2750 से 2850 रुपये प्रति क्विंटल बोले गए। डैया गुड़ 100 रुपये घटकर 2900 से 3100 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। सरकार द्वारा शकर कोटा अदिक

जारी किए जाने से मिलों पर बिकवाली का प्रेशर बढ़ा हुआ है। दरअसल, इस साल त्योहारी सीजन में शकर की मांग पिछले सालों के मुकाबले कम है। इससे भी कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। मिल डिलीवरी कीमतें 3100 से 3200 रु प्रति क्विंटल पर हैं। यूपी की मुजफ्फरनगर मंडी में गुड़ चाकू के भाव में 15 रुपये प्रति मन गिरावट के साथ 1070 से 1130 रुपये प्रति मन (एक मन-40 किलो) रह गए, जबकि गुड़ पेड़ी के भाव में 10 रुपये का मंदा आकर भाव 1065 से 1110 रु बोले गए। खुरपापाड़ गुड़ में भी 10 रुपए प्रति मन का मंदा आकर 950 से 990 रुपये प्रति मन पर कारोबार हुआ। बहरहाल त्यौहारी व्यस्तता के चलते मंडी में नए गुड़ की आवक कुछ कम पड़ी है, जानकारों का मानना है कि दीपावली बाद जब गुड़ की आवकें फिर बढ़ेंगी तब कीमतों पर दबाव और बढ़ सकता है।

अमेजन का फ्यूचर पर भेदिया कारोबार का आरोप

मुंबई। दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन और किशोर बियाणी के फ्यूचर गुप में विवाद बढ़ता जा रहा है। अमेजन ने फ्यूचर रीटेल लिमिटेड पर भेदिया कारोबार का आरोप लगाते हुए मार्केट रेग्युलेटर सेबी से इसकी जांच कराने का अनुरोध किया है। अमेजन ने साथ ही फ्यूचर रीटेल पर आरोप लगाया है कि उसने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थात पंचाट के संतरिम फैसले को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को लीक कर गोपनीयता का उल्लंघन किया है। सिंगापुर इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर ने पिछले महीने आदेश दिया था कि उसका अंतिम फैसला आने तक फ्यूचर गुप के रीटेल कारोबार की रिलायंस को बिक्री की योजना आगे नहीं बढ़ाई जाए। इस आदेश के कुछ घंटे बाद आरआईएल ने बयान जारी करके कहा था कि वह फ्यूचर गुप के साथ अपनी डील को बिना किसी देरी के पूरी करेगी। सेबी को लिखे पत्र में अमेजन का दावा है कि फ्यूचर गुप यह इसके प्रमोटरों ने अंतरराष्ट्रीय अदालत के अंतरिम फैसले को सार्वजनिक होने से पहले ही रिलायंस के साथ साझा करके नियमों का उल्लंघन किया है।

सोने की कीमतें 67 हजार तक पहुंचने के आसार

मुंबई। एक रिपोर्ट के मुताबिक एमसीएक्स गोल्ड ने 10 साल के लिए 159 फीसदी, 5 साल के लिए 99 फीसदी और एक साल के लिए 33 फीसदी रिटर्न दिया है। निफ्टी ने पिछले दस सालों में 93 फीसदी, 5 सालों में 50 फीसदी और एक साल में 3 फीसदी रिटर्न दिया है। डाउ जोन्स ने दस सालों में 154 फीसदी 5 सालों में 61 फीसदी और 1 साल में 6 फीसदी का रिटर्न दिया है। मोतीलाल ओसवाल फ्रान्शेंसल सर्विसेज के एक्सपर्ट्स ने लंबी अवधि में सोना के 65-67 हजार तक पहुंचने की उम्मीद जताई है। उनकी सलाह है कि अगर सोने का रेट 49500-48500 के बीच में है तो इसमें खरीदी करनी चाहिए। शॉर्ट टर्म के लिए अपसाइड रेंज 52-53 हजार के बीच होगा। कॉमेक्स गोल्ड पर 1880-1840 डॉलर के बीच खरीदारी की जा सकती है। रेली में यह रेट अपर लेवल पर 1940-1975 डॉलर तक पहुंच सकता है। लॉन टर्म में कपोडिटी एक्सपर्ट्स ने इंटरनेशनल मार्केट में 2500 डॉलर एवं डॉमेस्टिक मार्केट में सोना के 65-67 हजार तक पहुंचने की संभावना जताई है। कीमती धातुओं की मांग आमतौर पर भारत में क्लेण्डर वर्ष की अंतिम तिमाही में बढ़ती है, क्योंकि शादियों और प्रमुख त्यौहारों दशहरा-दिवाली पर लिए सोना खरीदना शुभ माना जाता है।

धनतेरस पर फिसला बाजार

मुंबई। अधिकतर विदेशी बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में हुई बिकवाली के दबाव में गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार गिरावट में बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक संसेक्स 236.48 अंक की गिरावट में 43,357.19 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 58.35 अंक की गिरावट में 12,690.80 अंक पर बंद हुआ। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक कोरोना वैक्सीन के जल्द उपलब्ध होने की संभावना भी निवेशकों के रूझान को बढ़ा नहीं पायी। कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण के दोबारा तेजी से फैर पसरने से निवेशकों का उत्साह टंडा रहा। कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में आयी तेजी के कारण कई यूरोपीय देशों में दोबारा लॉकडाउन लगाया गया है तथा अमेरिका में भी कई प्रतिबंध लगाये गये हैं। इन सभी घटनाओं से आर्थिक परिवर्तन में जल्द सुधार की निवेशकों की उम्मीद कम हो गयी है। संसेक्स गिरावट में 43,291.89 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 43,543.96 अंक के दिवस के उच्चतम और 43,127.55 अंक दिवस के निचले स्तर तक गया। निफ्टी का ग्राफ भी संसेक्स की तरह रहा। यह गिरावट में 12,702.15 अंक पर खुला।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे निगम कार्य हेतु निविदा सूचना
क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्या: डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-डी-100-20-21, दिनांक: 10.11.2020. कार्य: सहायक मंडल अभियंता/ शहडोल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अनुपूर्व में सी एण्ड डब्ल्यू विद्युत पर मंडारण में वृद्धि, ऑफिस स्पेस एवं इनफ्रास्ट्रक्चर का संरक्षण और शहडोल में सी एण्ड डब्ल्यू विद्युत पर सी एण्ड डब्ल्यू कार्यालय और सामग्री मंडारण कक्ष का निर्माण। निविदा मूल्य: रु 28,38,226.56. अमानत राशि: रु 56,800/-। पूर्णता अवधि: 08 माह।
निविदा जमा करने की आरंभ तिथि: 23.11.2020 के 11.00 बजे से। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि: 07.12.2020 के 11.00 बजे तक।
उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट <http://www.iweps.gov.in> पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।
नवीन रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/ सीओआर/10/302 द.पू.म.रे.विलासपुर
f South East Central Railway @secrail

कार्यालय स्वच्छता सेल नगर पालिक निगम, जबलपुर

पत्र क्र. /स्व.से. /2020 /150/PRO/515 जबलपुर, दिनांक 12/11/2020
आम सूचना
सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम सीमांतर्गत आने वाले समस्त 79 वार्डों के आवासीय, व्यवसायिक, सार्वजनिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों में निर्मित होने वाले सभी सेप्टिक टैंकों को IS 2470 पार्ट-1 एवं सोखना गड्ढों को IS 2470 पार्ट-2 के मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य है साथ ही पूर्व में जो सेप्टिक टैंक इस्तेमाल किये जा रहे हैं उन्हें प्रति 3 वर्ष में खाली किया जावे। पूर्ण विनिर्देश दस्तावेज के लिए नगर पालिक निगम जबलपुर कार्यालय से सम्पर्क करें।
आयुक्त नगर पालिक निगम, जबलपुर

Commercial Engineers & Body Builders Co Ltd.
CIN: L24231MP1979PLC049375
Regd. Office : 48, Vandana Vihar, Narmada Road, Gorakhpur, Jabalpur (M.P.) India - 482001

ANNEXURE I
Extract of Un-Audited Financial Results for the Quarter / Half Year Ended September 30, 2020
[See Regulation 47(1) (b) of the SEBI (LODR) Regulations, 2015]

Sl. No.	Particulars	Quarter Ended	Preceding Quarter Ended	Corresponding Quarter ended in the previous year	Half Year Ended	Corresponding Half Year Ended	Year Ended
		30 Sep 2020	30 Jun 2019	30 Sep 2019	30 Sep 2020	30 Sep 2019	31 Mar 2020
		Un-Audited	Un-Audited	Un-Audited	Un-Audited	Un-Audited	Audited
1	Total Income from Operations	6,945.85	2,997.99	1,729.27	9943.84	5881.94	12903.74
2	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and / or Extraordinary items)	43.60	(247.18)	(294.30)	(203.58)	(376.21)	(910.87)
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and / or Extraordinary items)	43.60	(247.18)	(294.30)	(203.58)	278.91	(255.75)
4	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and / or Extraordinary items)	43.60	(247.18)	(294.30)	(203.58)	278.91	(13.97)
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	(6.85)	(6.84)	(0.30)	(13.69)	(0.60)	(27.37)
6	Equity Share Capital	8,948.27	8,948.27	8,948.27	8,948.27	8,948.27	8,948.27
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year	-	-	-	-	-	595.93
8	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations) -						
	1. Basic:	0.05	(0.28)	(0.33)	(0.23)	0.31	(0.02)
	2. Diluted:	0.05	(0.28)	(0.33)	(0.23)	0.31	(0.02)

Notes:

- The above Statement of unaudited financial results for the quarter and half year ended 30 September 2020 of Commercial Engineers and Body Builders Co Limited ("the Company"), were reviewed by the Audit Committee and approved by the Board of Directors at their respective meetings held on 11 November 2020. The statutory auditors of the Company have carried out a limited review of the above statement of unaudited financial results for the quarter and half year ended 30 September 2020 and have issued an unmodified conclusion. The financial results for the previous quarter ended 30 June 2020 and corresponding quarter and half year ended 30 September 2019 have been reviewed by the erstwhile statutory auditors.
- These results have been prepared in accordance with the recognition and measurement principles laid down in Indian Accounting Standard 34, Interim Financial Reporting ("Ind AS 34"), prescribed under Section 133 of the Companies Act, 2013 ("the Act"), and other accounting principles generally accepted in India and is in compliance with the presentation and disclosure requirements of Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (as amended), including relevant circulars issued by the SEBI from time to time.
- During the previous year, the Company had forfeited 0.00001% Non-Convertible Cumulative Redeemable Preference Shares due to non payment of unpaid calls. These preference shares were issued to erstwhile promoters in the year 2014-15 amounting to Rs. 2,000 lakhs of which only Rs. 1,300 lakhs was paid up. Out of the paid up amount, Rs. 655.12 lakhs was classified as liability component of compound financial instruments as under the requirement of Ind AS 109. Pursuant to the forfeiture, the Company had recognized a gain of Rs. 655.12 lakhs as "Exceptional Items" in the financials results for the year ended 31 March 2020.
- The Company is mainly engaged in the business of metal fabrication comprising load bodies for commercial vehicles and rail freight wagons in India. These, in the context of Ind-AS 108 is considered to constitute one single reportable segment. Accordingly, disclosures under Ind AS 108, Operating Segments are not applicable.
- On account of the spread of COVID-19, the Government of India had imposed a complete nation-wide lockdown on 25 March 2020 leading to shut down of the Company's manufacturing facilities and logistics operations. Since then, the government of India has progressively relaxed lockdown conditions and has allowed most of the industries and businesses to resume operations in a phased manner. During the first quarter, the Company has resumed its manufacturing facilities and is currently in the process of further scaling up its operations. While the Company's operations were impacted from the lockdown, the management believes that the impact is temporary and the pandemic is not likely to have a material impact on the recoverability of the carrying value of its assets as at 30 September 2020. The management is continuously and closely monitoring the developments and possible effects that may result from the pandemic on its financial condition, liquidity and operations and is actively working to minimize the impact of this unprecedented situation. As the situation is still continuously evolving, the eventual impact may be different from the estimates made as of the date of approval of these financial results.
- The Board of Directors of the Company at its meeting held on 28 September 2020, approved a Scheme of Amalgamation ("the Scheme") of the Company with Jupiter Wagons Limited ("JWL"). The Scheme shall be effective post receipt of required approvals from the stock exchanges as well as National Company Law Tribunal ("NCLT") and accordingly, the above results currently do not reflect the impact of the Scheme.
- Previous period amounts have been regrouped/ reclassified in compliance with relevant IND-AS to make them comparable with those of current period/year.
- These results have been filed with BSE Limited and National Stock Exchange of India Limited and is also available on the Company's website at www.cebcco.com.

For and on Behalf of the Board
sd/-
Abhishek Jaiswal
Whole Time Director & C.E.O.
DIN- 07936627

Place - Jabalpur
Date - 11.11.2020